कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित )

C

क्रम संख्या....

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----------------------------------------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में - ----------------------------------------

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ........भूगोल........

परीक्षा का दिन ........सोमवार........

दिनांक ....22 – 06 – 20....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

**प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी**
**(परीक्षक के उपयोग हेतु)**

| प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक | प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक |
|---|---|---|---|
| 1 | | 19 | |
| 2 | | 20 | |
| 3 | | 21 | |
| 4 | | 22 | |
| 5 | | 23 | |
| 6 | | 24 | |
| 7 | | 25 | |
| 8 | | 26 | |
| 9 | | 27 | |
| 10 | | 28 | |
| 11 | | 29 | |
| 12 | | 30 | |
| 13 | | 31 | |
| 14 | | योग | |
| 15 | | प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off) | |
| 16 | | अंकों में | शब्दों में |
| 17 | | | |
| 18 | | | |

परीक्षक के हस्ताक्षर

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. कीमतोंव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

Previous Pathshala

## परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरुप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

प्र०1
उत्तर दो अमेरिकी भूगोलवेत्ता :- ① एलन सैम्पल्स
② हंटिंगटन।

प्र०2
उत्तर क्रोस बुशमैन महिलाओं के द्वारा पहने जाने वाला वस्त्र है जिसे वे बिस्तरबंद एवं वस्त्र दोनो के रूप में पहनती है। इसे चोगा भी कहते है।

प्र०3
उत्तर3 आप्रवास :- "बाहरी स्थानों से किसी स्थान या प्रदेश के अन्दर आकर बसना आप्रवास कहलाता है।

प्र०4
उत्तर लिंगानुपात :- प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या को लिंगानुपात कहते है।

प्र०5
उत्तर वृहत् नगर :- "50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले अधिवास को वृहत् नगर कहते है।"
जैसे - पेरिस, न्यूयार्क।

P.T.O.

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

प्र०6

उत्तर बस्ती :- "अवैध तथा अनियोजित तरीके से बसे हुए आवास जहाँ हर प्रकार की कठिनाईयाँ जैसे - तंग एवं जर्जर आवास एव मूलभूत सुविधाओं का अभाव पाया जाता है।
जैसे - धारावी कच्ची बस्ती।

प्र०7

उत्तर "वे उद्योग जो पशुओं से प्राप्त कच्चे माल पर आधारित होते हैं, पशु आधारित उद्योग कहलाते हैं।
जैसे - चमड़ा उद्योग।

प्र०8

उत्तर8 परम्परागत ऊर्जा संसाधन :-
(1) कोयला
(2) पेट्रोलियम।

प्र०9

उत्तर एल्युमिनियम का मुख्य स्त्रोत ~~चूना~~ अर्थात् कच्चा माल "बॉक्साईट" है।

प्र०10

उत्तर अधात्विक खनिज :-
(1). बलुआ पत्थर।
(2). संगमरमर।

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

प्र०1

उत्तर पूर्व-पश्चिम गलियारा" असम के सिलचर को गुजरात के पोरबन्दर" से जोड़ता है

प्र०2

उत्तर2 राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 1952 ई. में किया गया।

प्र०3

उत्तर3 **मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान:-** इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गाँव को जल की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना है इससे जल संकट हमेशा के लिए दूर हो सकता है

प्र०4

उत्तर **गौंड जनजाति के निवास क्षेत्र:-** ये जन-जाति मुख्य रूप से तेलंगाना, झारखण्ड उत्तरप्रदेश असम, उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ में निवास करते हैं मुख्य रूप से ये मैकाल पर्वत श्रेणियों, सोन-देवगढ़ उच्च भूमि बस्तर पठार एवं महदेव पहाड़ियों पर निवास करते हैं।

प्र०5

उत्तर

P.T.O.

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(i) वृताकार प्रतिरूप :-

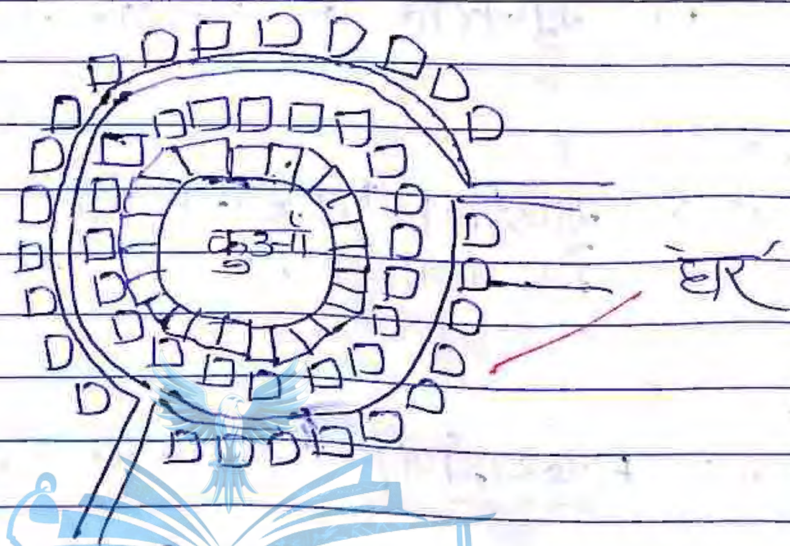


(ii) रेखीय प्रतिरूप :-

प्र०16

उत्तर तृतीयक व्यवसाय :-

इसे 'सेवा श्रेणी' का व्यवसाय भी कहा जाता है।

BSER-167/2020

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इसमें किसी समुदाय को दी जाने वाली व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सेवाएँ शामिल होती है। इनका संचालन प्रशिक्षित लोगों द्वारा होता है।
जैसे:- परिवहन संचार व्यापार, बैंक, बीमा, पर्यटन आदि।

प्र०17
उत्तर17 विश्व की प्रमुख चार पाईपलाइन:-

1. बिग इंच पाईपलाइन।
2. टैप पाईपलाइन।
3. कामेकान पाईपलाइन।
4. हजीरा- विजयपुर - जगदीशपुर पाईपलाइन।

प्र०18
उत्तर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो लाभ:-

1. इससे किसी देश की राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।
2. वस्तु की गुणवत्ता में सुधार की संभावना बनी रहती है।

प्र०19
उत्तर19

P.T.O. →

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के चार उपाय :-

① जल-मल के निस्तारण हेतु सीवर शोधन संयंत्रों की स्थापना हो।
② अपशिष्ट पदार्थों को पानी में न डाले।
③ रासायनिक कृषि की जगह जैविक कृषि करें।
④ विद्युत शवगृहों की स्थापना की जाए ताकि पशुओं के मृत शरीर को जल में ना फेंको।

प्र०20
उत्तर साक्षरता को प्रभावित करने वाले चार कारक :-
① नगरीकरण का स्तर।
② महिलाओं की स्थिति।
③ जीवन स्तर।
④ सरकारी नीतियाँ।

प्र०21
उत्तर संसाधन संरक्षण :-

नियोजित, विवेकपूर्ण, मितव्ययतापूर्ण, "संसाधनों का रण एवं क्षमतानुसार, पुनर्भरण उपयोग संसाधन संरक्षण, विनाश रहित कहलाता है।"

BSER-16/2020

Previous Pathshala

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

# उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020
# SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020
## भूगोल (GEOGRAPHY)

प्र० 22
उत्तर 22

World Map

P.T.O.

-Geog.

Previous Pathshala

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

# उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020

# SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020

## भूगोल (GEOGRAPHY)

प्र024
उत्तर 24

Outline Map of RAJASTHAN

आगे अन्य प्रश्न है।
कृपया देखें P.T.O.

यहाँ से काटें ---- Cut Here ---- यहाँ से काटें ---- Cut Here



Previous Pathshala

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

# उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020

# SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020

## भूगोल (GEOGRAPHY)

प्र०23
उत्तर 23

### Outline Map of INDIA

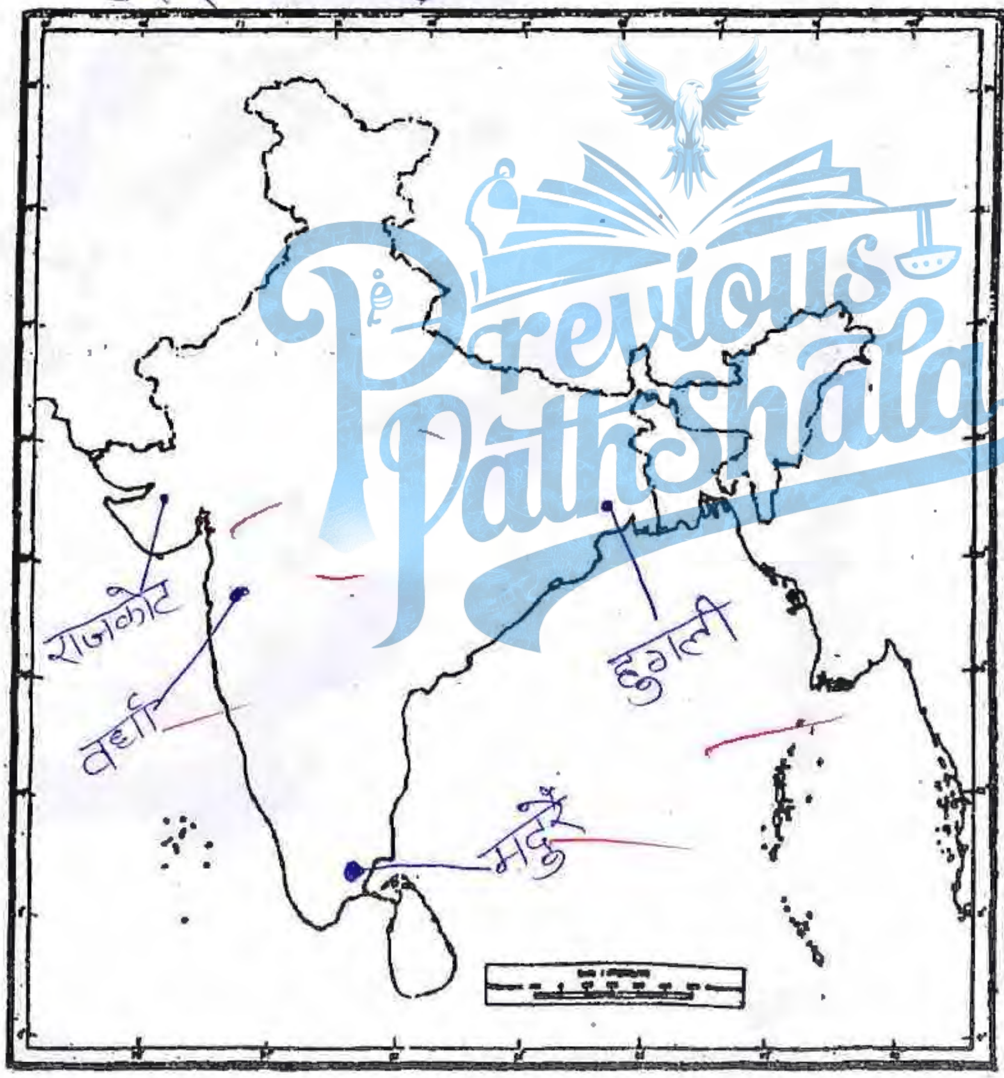


P.T.O.

Previous Pathshala

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

दूसरे शब्दों में भावी पीढ़ी के लिए भी संसाधन को बचाए रखना। इसका मतलब यह नहीं है कि हम संसाधनों का कम या कंजूसीपूर्ण उपयोग करे बल्कि वे संसाधन जो कम है, उनका औचित्यपूर्ण उपयोग करें। जैसे - तांबा इसका उपयोग सिर्फ महत्वपूर्ण कार्यों में करें।

प्र०22
उत्तर मानचित्र में देखें।

प्र०23
उत्तर मानचित्र में देखें।

प्र०24
उत्तर मानचित्र में देखें।

प्र०25
उत्तर पशुचारण की समालोचना :-

① पशुचारण का विकास :-
जब मनुष्य ने दूध, चमड़ा, माँस आदि के लिए पशुओं को पालना शुरू किया तब से इसकी शुरुआत हुई थी। मनुष्य ने भोजन, कृषि एवं परिवहन के लिए पशुओं का पालना शुरू किया था।

P.T.O.

BSER-167/2020

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

② पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र :-

(i) उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान - 5° - 30° - उत्तरी अक्षांश

(ii) शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान - 30° - 45° उत्तरी अक्षांश।

(iii) मरुस्थलीय क्षेत्र।

(iv) पर्वतीय क्षेत्र।

③ पशुचारण के प्रकार :-

(i) चलवासी पशुचारण :- चलवासी पशु स्वतन्त्र एवं घुमक्कड़ जीवन यापन के साथ किया जाता है इन लोगो की सम्पत्ति इनके पशु होते है पशुओं को साधारण रूप मे पाला जाता है। ये लोग कबीलो मे रहते है।

जैसे :- अफ्रीका का सहारा मरुस्थल, द० पश्चिम एशिया एवं हिमालय का पर्वतीय क्षेत्र।

(ii) वाणिज्यिक पशुचारण :- ये पशुचारण बड़े - बड़े फार्मों मे किया जाता है जिसे 'रैंच' कहते है। इनकी देखभाल वैज्ञानिक ढंग से की जाती है। इसमे भौगोलिक दशाओं के अनुकूल एक विशेष पशु को पाला जाता है। ये पशुचारण व्यापार पर आधारित एक आर्थिक क्रिया है और ये विकसित देशों मे किया जाता है

Previous Pathshala

| द्वारा अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

क्षेत्र :- न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, यू.एस.ए. अर्जेंटीना, पराग्वे, डेनमार्क स्वीडन आदि।

4. प्रमुख पशु :-

अफ्रीका में ऊँट, ईरान, इराक में भेड़, खच्चर, भेड़, बकरी एवं, टुण्ड्रा तथा टैगा प्रदेशों में कैरिबो एवं रेण्डियर।

प्र026

उत्तर जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उपाय :-

1. विवाह योग्य आयु में वृद्धि :-

लड़का एवं लड़की की विवाह योग्य आयु जो 21 एवं 18 वर्ष है उसे बढ़ाना चाहिए। जब लड़कियों की विवाह योग्य आयु बढ़ेगी तो वे शिक्षित होंगी। शिक्षा के साथ-साथ उनकी रुचि सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में बढ़ेगी तो सन्तानउत्पत्ति पर नियंत्रण संभव होगा।

2. परिवार नियोजन कार्यक्रमों का विस्तार :-

परिवार नियोजन कार्यक्रमों का स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार हो। वैसे इस कार्यक्रम को 1952 में

कृ.पृ.उ.

BSER-167/2020

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

शुरू किया गया था। इसके अतिरिक्त गर्भ निरोधकों की उपलब्धता होनी चाहिए। लोगों में जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों को बताते हुए जागरूकता फैलाएँ। उन्हें छोटा परिवार रखने के लिए समझाएँ। पुरुष एवं महिला नसबंदी शिविर लगाएँ।

③. शिक्षा एवं उत्पादन में वृद्धि :-

उत्पादन में वृद्धि करनी चाहिए ताकि वे अपने भविष्य के बारे में योजना बनाएँ।

शिक्षा से न केवल साक्षरता का स्तर ऊँचा उठता है बल्कि अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्य भी होंगे। इससे जीवन स्तर उच्च होगा तो लोग सन्तान उत्पत्ति पर नियंत्रण पाएँगे। शिक्षा से जीवन के प्रति एक बुद्धिसंगत दृष्टिकोण का विकास होगा।

"निष्कर्ष यही निकलता है कि हमे जनसंख्या वृद्धि को रोकना होगा। वरन संसाधनों का संरक्षण नहीं होगा।

प्र०27
उत्तर27

→

BSER-167/2020

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

**मनरेगा :-**

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी कार्यक्रम को 2005 में अधिसूचित किया गया। 2 फरवरी 2006 में इसे आन्ध्रप्रदेश के साथ 200 जिलो में लागू कर दिया। 2008 में इसे 644 पिछड़े जिलो मे लागू कर दिया।

मनरेगा में किसी परिवार का वयस्क सदस्य जो अकुशल शारीरिक श्रम करना चाहते हैं उन्हे 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना है।

(1) **मनरेगा के उद्देश्य :-**

(1) जो वयस्क अकुशल शारीरिक श्रम करना चाहते हैं उन्हें 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना।

(2) सामाजिक समावेशिता सुनिश्चित करना।

(3) पंचायती राज व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना।

(2) **मनरेगा के लक्ष्य :-**

(1) 33% महिलाओं की सहभागिता अनिवार्य करना।

(2) प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ावा देना।

(3) ग्रामीण परिसम्पतियों का निर्माण करना।

(4) जमीनी स्तर की अर्थव्यवस्था का विकास करना।

(5) गरीबो के आजीविका संसाधन को मजबूत करना।

क्र० पृ० 3.

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(6) स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।

इस प्रकार मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का प्रमुख साधन है, भारत "रोजगार को अधिकार मानने" के कानून को पारित करने वाला प्रथम देश है। मनरेगा में किसी प्रकार के आरक्षण व्यवस्था नहीं है।

प्र०28

उत्तर28 जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं:-

प्रति वर्ग किलो-मीटर में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या को घनत्व कहते हैं।

सूत्र :- $\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$

प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक :-

(i) औद्योगीकरण
(ii) नगरीकरण
(iii) खनिज
(iv) परिवहन के साधन।

(i) औद्योगीकरण :-

औद्योगीकरण घनत्व को प्रभावित करने वाला एक

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

महत्वपूर्ण कारक है। उद्योगों का जिन क्षेत्रों में अधिक विकास होता है वहाँ पर रोजगार एवं आजीविका निर्वहन के प्रमुख अवसर उपलब्ध होते हैं। अतः वहाँ पर जनसंख्या का जमाव भी अधिक होता है। अतः घनत्व भी अधिक होता है। यहाँ पर दुकानदार वकील, डॉक्टर अध्यापक एवं ड्राइवर जैसे अनेक सुविधाओं को देने वाले लोग होते हैं।
जैसे :- जापान का कोबे ओसाका प्रदेश।

(ii) नगरीकरण :-
नगरीकरण भी जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है। नगरीकरण के फलस्वरूप घनत्व बढ़ता है। नगरों की साधन- सुविधाएँ एवं नगरीय आकर्षण से ग्रामीण लोग नगरों में जाकर बस जाते है। वहाँ पर शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार की सुविधा प्राप्त होती है। ये उन्नत जीवन स्तर का परिचायक है। लोगों की सघनता बढ़ती है तो घनत्व भी बढ़ता है।

(iii) खनिज :-
खनिज जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है। खनिजों से सम्पन्न एवं समृद्ध प्रदेश उद्योगों को अपनी ओर आकृष्ट करते

कृ॰ पृ॰ उ॰

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

है। वहाँ पर खनन एवं औद्योगिक गतिवि-
-धियाँ रोजगार उत्पन्न करते है। इस
कारक लाखों श्रमिक वहाँ जाकर बस
जाते है। जनसंख्या सघन होती है
फलस्वरूप जनसंख्या घनत्व बढ़ता है।
श्रमिक एवं अन्य कार्य करने वाले
भी वहाँ जाकर अपने घर बसा लेते है।
जैसे :- अफ्रीका का कटंगा - जाम्बिया
क्षेत्र।

(iv) परिवहन के साधन :-

परिवहन
के द्रुतगामी साधन भी घनत्व को प्रभा-
-वित करते है। जिन क्षेत्रों में परिवहन
के साधनों का विकास है वहाँ पर
जनसंख्या घनत्व भी अपेक्षाकृत उच्च
मिलता है। इनमें प्राकृतिक आपदाओं
जैसे - अकाल, बाढ़, भूकम्प, सुनामी
आदि में राहत कार्य पहुँचाने के लिए
काफी उपयोगी होते है।

प्र०२१
उत्तर२१

BSER-367/2020

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

गेहूँ उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ निम्न है :-

गेहूँ रबी की फसल है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो से प्राप्त गेहूँ के दाने से यह पता चलता है कि 5000-8000 ई० पूर्व भी भारत में गेहूँ उपयोग होता था। भारत में 11.7% गेहूँ उत्पादित होती है।

आवश्यक भौगोलिक दशाएँ :-

(1). तापमान :-
गेहूँ की फसल के लिए बोते समय 10° सेन्टीग्रेड उगते समय 15° सेन्टीग्रेड एवं काटते समय 20° से० की आवश्यकता होती है। गेहूँ के लिए 100 दिन पाला रहित होना आवश्यक है।

(2). वर्षा :-
गेहूँ की फसल के लिए 50-75 cm. वर्षा की आवश्यकता होती है। अगर इससे कम वर्षा होती है तो सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है।

(3). मृदा :-
गेहूँ की फसल के लिए कछारी, बुलुई एवं उपजाऊ दोमट मृदा आवश्यक होती है। अन्य उपजाऊ मृदाओं में भी उगाया जा सकता है।

कृ० पृ० उ०

BSER-167/2020

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(4) धरातल, श्रम एवं खाद :-

गेहूँ के लिए समतल धरातल होना चाहिए जहाँ पर मशीनों का प्रयोग आसानी से हो सके।

गेहूँ के लिए सस्ते श्रम की आवश्यकता होती है। गेहूँ की फसल के लिए गोबर खाद जैविक खाद एवं उसके साथ रासायनिक खाद जैसे अमोनियम सल्फेट एवं नाइट्रेट भी डाली जाती है।

प्र030

उत्तर मीणा जनजाति का सामाजिक जीवन:-

जनसंख्या की दृष्टि से मीणा जनजाति का प्रथम स्थान है। ये सर्वाधिक शिक्षित है। सर्वाधिक मीणा जयपुर में मिलते है।

मीणा जनजाति के सामाजिक जीवन के मुख्य पहलू :-

I. विवाह :-

मीणा जनजाति में प्राचीन काल में ब्रह्म एवं गन्धर्व विवाह का प्रचलन था। वर्तमान में विवाह पूरे रीति-रिवाजों एवं मान्यताओं के साथ सम्पन्न होता है। प्राय: लड़कियों का

Previous Pathshala

द्वारा अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

विवाह कम उम्र में कर दिया जाता है लेकिन 'मौना' विवाह में लड़कियों का विवाह योग्य उम्र में ही किया जाता है।

② परिवार :-

मीणा जनजाति में संयुक्त परिवार की प्रथा विद्यमान है। परिवार पितृसत्तात्मक होते हैं। संतान न होने पर गोद लेने का अधिकार भी होता है।

③. पंचायत :-

मीणा जनजाति में पंचायत का मुख्य स्थान होता है। परम्परागत पंचायत के चार स्तर होते हैं ① ग्राम पंचायत ②. गौत्र पंचायत ③. क्षेत्रीय पंचायत ④. चौरासी पंचायत। सबसे बड़ी चौरासी पंचायत है। इनमें विवाह, तलाक, चरित्रहीनता, जमीन विवाद संबंधी मामले आते हैं।

④. मीणा के वर्ग :-

①. जमींदार मीणा ②. चौकीदार मीणा। अन्य- आदिया मीणा, रावत मीणा, चौथिया मीणा एवं भील मीणा आदि।

⑤. मेले एवं त्यौहार :-

मीणाओं के द्वारा अनेक प्रकार के मेले एवं त्यौहार

कृ॰ पृ॰ उ॰

BSER-167/2020

Previous Pathshala

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

सवाईमाधोपुर में गणेशजी, महावीर जी, सीकर में रेवासा की जीण माता आदि के मन्दिरों पर मेला लगता है। ये होली दीपावली जैसे अनेक त्योंहार मनाते हैं। ये होली के तीसरे दिन नृत्य करते हैं। ये आग जलाकर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं।

'नेजा' नृत्य 'डूंगरपुर' एवं 'खेरवाड़ा' के मीणाओं के द्वारा किया जाता है।

(6). वस्त्र :-

मीणा जनजाति के पुरुष सामान्यतः धोती कुर्ता एवं साफा बांधते है। मीणा जनजाति की महिलाएं घाघरा, कांचली एवं लुगड़ी पहनती है। वर्तमान में शिक्षा का स्तर उच्च होने के कारण पैन्ट - शर्ट, टीशर्ट आदि वस्त्र पहनने लगे हैं। मीणा जनजाति की महिलाओं को गोदना गुदवाना पसंद है। इन्हें आभूषण पहनने का भी शौक है।

(7). शिक्षा का स्तर :-

मीणा जनजाति परम्परागत रूप से तो कृषि एवं पशुपालन करती है। सरकार के द्वारा आरक्षण की व्यवस्था के कारण इनका शिक्षा स्तर काफी बढ़ गया। ये सबसे सम्पन्न एवं

| शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | | शिक्षित जनजाति बन चुकी है। वर्तमान में सभी सरकारी नौकरियों जैसे :- अध्यापक, व्याख्याता यहाँ तक कि I.A.S. एवं R.A.S. जैसी प्रशासनिक क्षेत्रों में मीणा जनजाति के लोग कार्यरत है। |

BSER-167/2020

Previous Pathshala